

आज भिन्न दिनांक का उपकाश
जनरल का दी गई यह कार्रवाई
की समस्त ने दिनांक
को देना है

30-05-18



ज्याय आपका द्वार 2018

3

18578

रत्न सिंद

पत्रावली राजस्थान लोक अदालत अजमेर की
 रत्न सिंद से प्रेषित हुई। पार्थी सापारिंद का
 पुरखता आता उसका पुत्र रत्न सिंद को लगे है
 उपरोक्त रत्न सिंद को रत्न सिंद से पुत्र
 राजा पत्रावली से पत्रावली पर उपलब्ध
 रिहा का अवलोकन किया गया। पार्थी को पुत्र
 कादम से अवलोकन किया गया। पुत्र कादम का
 लंबे लंबे निवेद्या से प्रतीबन्धित है। पुत्र
 कादम के निवारण तक राजस्थान रिहा से
 लगे ही प्रसादित बलाप रत्न सिंद से
 उपपन्न को अन्तर् निवेद्या से प्रतीबन्धित
 किया जाना चाहे। अतः पार्थी का
 पत्रावली-पत्र अन्तर् निवेद्या आंशिक
 लगे ही प्रसादित जाये वस पुत्र कादम के निवारण
 तक पुत्र आशप से अन्तर् निवेद्या से
 प्रतीबन्धित किया जाये। किन्तु रत्न सिंद स्थित

ब.न.	1810	1811	1812	1815	1816	1817	1819	1820
	0-15	0-21	0-34	0-13	0-10	0-10	0-25	0-28

राजस्थान लोक अदालत अजमेर

$\frac{1821}{0.38}$, $\frac{1822}{0.31}$, $\frac{1823}{0.23}$ तथा $\frac{1824}{0.21}$ कुल मिला 12 कुल

रकबा 2.72 है. मुझे के राजस्व रिपोर्ट एवं मौके
से पचाहिसाठ बन्नापे रहे। उकरवा जैसल
शुमार दोन मास के कम है वसा बाद
वसमिल उकिर लेख मजगार है एवं पूरा बाद
के मंगल है। निर्वाप राजस्व लोक अदालत
के मय कोटे खैरकाल के मजसे काम में लिखाया
जायतुलायाय।


अध्यायक कमलदत्त
श्रीरु

